cinemahaul

मई 2025, अंक 05, वर्ष -02

सिनेमाहौल

फ़िल्म ईज़ीन

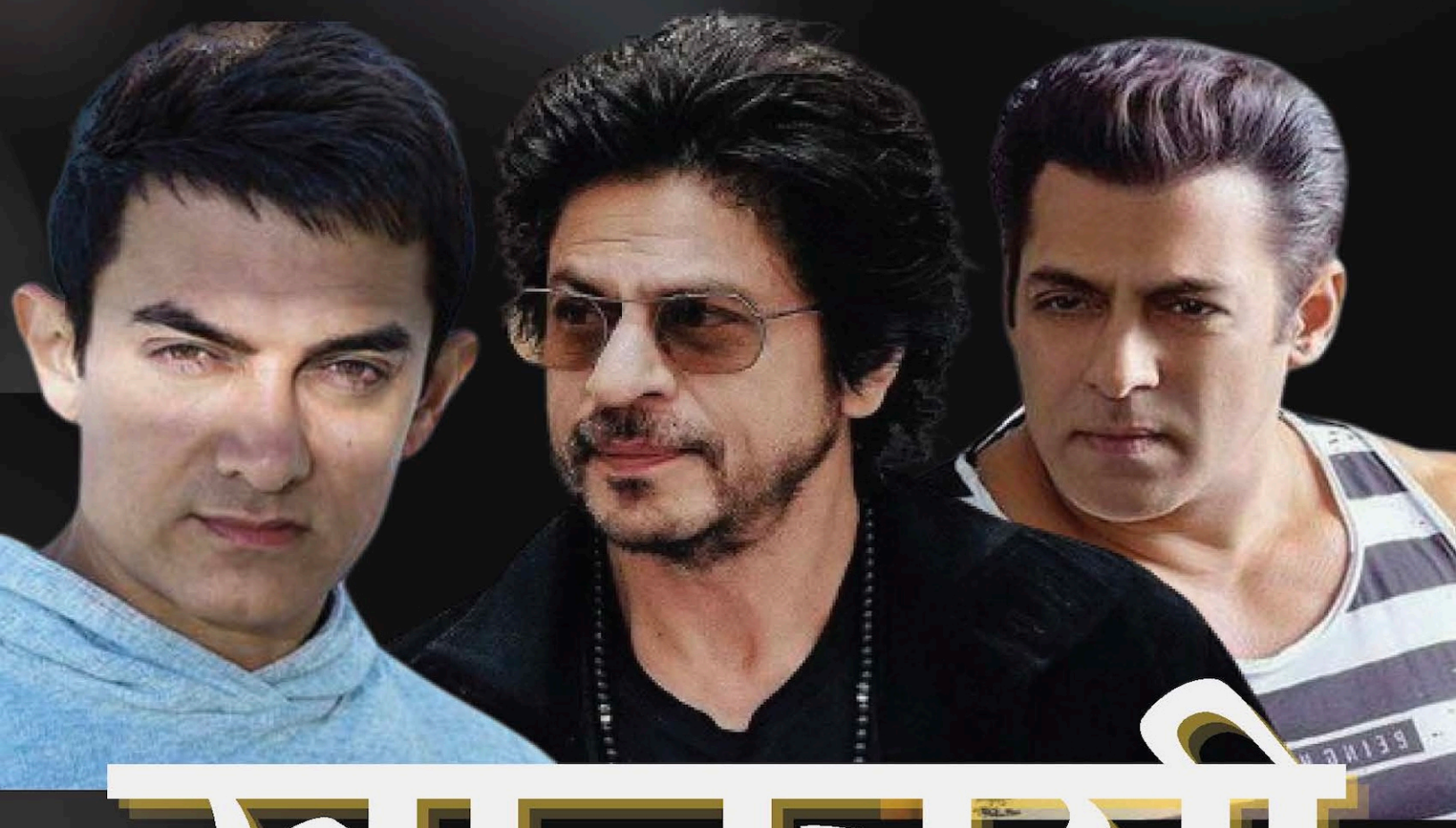

ख़ानत्रयी

अमिताभ श्रीवास्तव, चेतन कश्यप, जवरीमल्ल पारख, दिलीप कुमार पाठक, दिनेश लखनपाल, डॉ रक्षा गीता, फरीद ख़ाँ, पंकज स्वामी, प्रीतिप्रज्ञा प्रधान, मंगेश मोड़क, मनोरमा सिंह, विवेक रंजन सिंह, सूर्यन मौर्य, सैयद एस तौहीद, हितेंद्र पटेल

संकलन और संपादन

अजय ब्रह्मात्मज

आवरण: आर वर्क

मई 2025

वर्ष 2 अंक 5

सिनेमाहौल

फ़िल्म ईज़ीन

संकलन और संपादन

अजय ब्रह्मात्मज

आवरण विषय: ख़ानत्रयी

कवर : रविराज पटेल

अनुक्रम

मेरी बात 5

आमिर ख़ान से ख़ास बातचीत 8

हिंदी सिनेमा में ख़ानत्रयी का योगदान 30

अमिताभ श्रीवास्तव

हिंदी सिनेमा के सितारे 40

अश्वनी सिंह

ख़ानत्रयी के तीन दशक : बदलिए कि वक़्त बदला चाहता है... 47

चेतन कश्यप

ख़ानत्रयी : लोकप्रियता के बावजूद? 56

जवरीमल्ल पारख

किंग ख़ान मोस्ट लविंग पर्सन इन दी यूनिवर्स 71

दिलीप कुमार पाठक

उसे तो याद भी नहीं होगा 81

दिनेश लखनपाल

ख़ानों में ख़ान शाह रुख़ ख़ान 94

डॉ रक्षा गीता

चार दशकों से प्रासंगिक ख़ानत्रयी 103

पंकज स्वामी

आमिर ख़ान : एक अनोखे अहसास से! 107

प्रीतिप्रज्ञा प्रधान

मैं आमिर ख़ान के साथ बड़ा हुआ 112

फ़रीद ख़ाँ

ख़ानत्रयी की फिल्मों के सामाजिक सरोकार 118

मंगेश मोड़क

वर्तमान भारत में ख़ानत्रयी का सुपरस्टार होना 125

मनोरमा सिंह

आमिर ख़ान व उनके निराले किरदार 133

शावेज़ लतीफ़

शाह रुख़, सलमान एवं आमिर को लेकर समझ 140

सैयद एस तौहीद

शाह रुख़ ख़ान : परदे पर लिखी बादशाहत की कहानी 149

सूर्यन मौर्य

ख़ानत्रयी की सफलता से दर्शकों पर गर्व होता है 159

हितेंद्र पटेल

शाह रुख़ ख़ान: कुछ तो बात है इस ख़ान में 166

अजय ब्रह्मात्मज

सबकी आन सबकी शान, ये है अपना सलमान 176

अजय ब्रह्मात्मज

ख़ानत्रयी (आमिर ख़ान, शाहरुख़ ख़ान, सलमान ख़ान) की फिल्मोग्राफी 185

विवेक रंजन सिंह

साठ साल पर ख़ानत्रयी को सलाम 204

विवेक रंजन सिंह

मेरी बात

सबसे पहले मैं आपकी राय जानना चाहता हूं कि क्या सिनेमाहौल फ़िल्म ईज़ीन का अभियान जारी रखा जाए? इस अंक के साथ सिनेमाहौल फ़िल्म ईज़ीन के 17 अंक पूरे हो जाएंगे। 17 अंकों का यह सफर ऐसे हर अभियान की तरह आसान और सरल नहीं रहा है। हर बार आवरण विषय तय करने से उसे प्रकाशित करने तक में अनेक बाधाओं और अपेक्षाओं से गुजरना पड़ता है। 17 को में से दो अंकों में मुझे गीता श्री और रविराज पटेल का अद्वितीय सहयोग मिला। बाकी 15 अंक की सारी मेहनत अकेले करनी पड़ी है। हां, कुछ अंकों से रविराज पटेल आकर्षक कवर पेज बना रहे हैं।

मई अंक का आवरण विषय ख़ानत्रयी है। हिंदी फिल्मों में लगभग एक साथ सक्रिय तीन अभिनेताओं आमिर ख़ान, शाह रुख़ ख़ान और सलमान ख़ान के सरनेम ख़ान में त्रयी प्रत्यय जोड़कर मैंने ख़ानत्रयी शब्द गढ़ा। पिछले दो दशकों से अपने लेखों में मैं इस शब्द का इस्तेमाल कर रहा हूं। फिल्म पत्रकारिता में समय-समय पर ऐसे कुछ शब्द चलन में आ जाते हैं। बहरहाल, मार्च महीने में आमिर ख़ान के जन्मदिन के समय ही यह ख़्याल आया कि एक अंक ख़ानत्रयी पर केंद्रित हो। इस साल तीनों ही 60 साल के हो रहे हैं। इस पर अमल करने में एक महीने का समय लग गया।

मैं चाहता था कि ख़ानत्रयी के विभिन्न पहलुओं पर उनके प्रशंसक और लेखक कुछ लिखें। उनकी आलोचना भी हो। तात्पर्य है कि उनकी खूबियों और खामियों की पड़ताल हो। कह सकता हूं कि मेरी चाहत तो पूरी नहीं हो सकी। मैंने लेख लिखने के लिए जान-पहचान के सभी व्यक्तियों को आमंत्रित करने के अलावा सोशल मीडिया के जरिए सभी को सार्वजनिक निमंत्रण भी दिया था। इस बार जान-पहचान के लेखकों ने अधिक निराश किया। संगत और सोहबत से अपेक्षाएं बनती हैं। मुझे अंत तक लगता रहा कि अपेक्षित लेख आ ही जाएंगे। दो-तीन बार के विनम्र अनुरोध के बाद भी लेख नहीं मिले तो निराश अवश्य हुई। अपने प्रयास पर शक हुआ। फिर यही ख्याल आया कि एक तो ऑनलाइन पत्रिका है और दूसरे यह निश्चित नहीं है कि लेखों के लिए कोई मानदेय मिलेगा, इसलिए कई लेखक आश्वासन देने के बावजूद नहीं लिख पाते होंगे।

मिले लेखों में से ख़ानत्रयी पर केंद्रित चार लेख हैं। बाकी सभी ने ख़ानत्रयी (आमिर, शाह रुख़ और सलमान) में से किसी एक पर लिखा है। सबकी पसंद के निजी कारण हैं। उन्होंने उनके स्टारडम, एक्टिंग और योगदान का उल्लेख किया है। कुछ लेख अत्यंत कमजोर हैं। ख़ानत्रयी पर लिखे लेखों में तीनों के महत्व, शैली, योगदान और प्रासंगिकता पर ठोस बातें की गई है। ख़ानत्रयी की परिघटना अतीत की त्रिमूर्ति (देव, राज और दिलीप) से अलग है। अभी के सितारों को सिर्फ पर्दे पर अपने हुनर से